Yah Danturit Muskan Aur Fasal Previous Year Questions

(with model answers)

प्रश्न 1 – फसल को ढेर सारी नदियों के पानी का जादू क्यों कहा गया है? कविता के आधार पर लिखिए। [CBSE 2024]

उत्तर – एक या दो नहीं बल्कि अनेक नदियों का पानी अपना जादुई असर दिखाता है, तब जाकर फसल पैदा होती हैं। एक नहीं दो नहीं बल्कि लाखों-करोड़ों हाथों के अथक परिश्रम का परिणाम से एक अच्छी फसल तैयार होती है। अर्थात हजारों खेतों पर दुनिया भर के लाखों-करोड़ों किसान दिन रात मेहनत करते हैं। अपनी फसल की देखभाल करते हैं। उसको समय-समय पर खाद, पानी और जरूरी पोषक तत्व देते हैं। तब जाकर कहीं फसल खेतों पर लहलहा उठती है। अच्छी फसल उगाने के लिए खेतों की मिट्टी अच्छी होनी चाहिए। इसीलिए एक या दो नहीं बल्कि हजारों खेतों की उपजाऊ मिट्टी के पोषक तत्व भी इन फसलों के अंदर छुपे हुए हैं। क्योंकि मिट्टी की विशेषताएं भी फसलों की गुणवत्ता को प्रभावित करती है।

प्रश्न 2 – बच्चे की दंतुरित मुस्कान का किस-किस पर क्या-क्या प्रभाव पड़ता है? यह 'दंतुरित मुस्कान' कविता के आधार पर लिखिए। [CBSE 2023]

उत्तर – कवि के अनुसार बच्चे की मुस्कुराहट इतनी प्रभावशाली होती हैं कि वो किसी भावहीन व्यक्ति में भी भावनाओं को जगा सकती है और जीवन की कठिन परिस्थितियों से निराश-हताश हो चुके व्यक्तियों और यहाँ तक कि बेजान व्यक्ति को भी जीवन जीने की प्रेरणा देते हैं। बच्चे की मधुर मुस्कान देख कर पत्थर जैसे कठोर हृदय वाले मनुष्य का मन भी पिघल कर अति कोमल हो जाता है।

प्रश्न 3 – 'यह दंतुरित मुस्कान' में शिशु कवि को 'अनिमेष' देख रहा है। 'अनिमेष' का अर्थ लिखते हुए बताइए कि बच्चे ऐसा क्यों करते हैं? [CBSE 2023]

उत्तर – 'यह दंतुरित मुस्कान' में शिशु कवि को 'अनिमेष' देख रहा है। 'अनिमेष' का अर्थ होता है बिना पलक झपकाए देखना। बच्चा पहली बार अपने पिता (कवि) को देख रहा है। इस कारण कवि उस छोटे से बच्चे से कहते हैं कि ऐसा लगता है कि तुम (छोटा बच्चा) मुझे (कवि / पिता) पहचान नहीं पाये हो क्योंकि बच्चा कवि को अपलक अर्थात बिना पलक झपकाए देख रहा है। बच्चे जब किसी नई चीज़ या व्यक्ति को देखते हैं तो वे हैरानी व् उत्सुकता के कारण अपलक या बिना पालक झपकाए देखते रहते हैं।

प्रश्न 4 – शिशु के धूलि-धूसरित शरीर को देखकर कवि नागार्जुन ने क्या कल्पना की? [CBSE 2020]

उत्तर – कवि जब बच्चे के धूल से सने हुए नन्हें तन को देखता है तो ऐसा लगता है कि मानों कमल के फूल तालाब को छोड़कर कवि की झोंपड़ी में खिल उठते हो। कहने का आशय यह है कि बच्चे के धूल से सने नन्हे से तन को निहारने पर कवि का मन कमल के फूल के समान खिल उठा है अर्थात् प्रसन्न हो गया है।
ऐसा लगता है कि किसी प्राणवान का स्पर्श पाकर ये कठोर चट्टानें पिघलकर जल बन गई होगी। कहने का आशय यह है कि बच्चे की मधुर मुस्कान देख कर पत्थर जैसे कठोर हृदय वाले मनुष्य का मन भी पिघलाकर अति कोमल हो जाता है।

प्रश्न 5 – 'फ़सल' कविता में 'हाथों के स्पर्श की गरिमा और महिमा' कहकर कवि क्या व्यक्त करना चाहता है ? अपने शब्दों में लिखिए। [CBSE 2019]

उत्तर – "हाथों के स्पर्श की गरिमा" और "महिमा" कहकर कवि किसान की अथक मेहनत को सम्मानित करते हैं। क्योंकि किसान की लगन व कठिन परिश्रम के बिना खेतों में फसल नहीं उग सकती हैं। फसल के फलने – फूलने में एक या दो नहीं बल्कि लाखों – करोड़ों किसानों के हाथों के स्पर्श की गरिमा विद्यमान होती है। कवि कहते हैं कि मिट्टी और पानी के पोषक तत्व तथा सूरज की ऊर्जा भी तभी सार्थक होती है, जब किसानों के हाथों का स्पर्श इसे गरिमा प्रदान करता हैं।

प्रश्न 6 – कवि ने शिशु की मुस्कान को 'दंतुरित मुस्कान' क्यों कहा है ? कवि के मन पर उस मुस्कान का क्या प्रभाव पड़ा? [CBSE 2019]

उत्तर – कवि ने शिशु की मुस्कान को दंतुरित मुस्कान इसलिए कहा है क्योंकि छोटे शिशु की मुस्कान नए दांतों से सुशोभित होती है। शिशु की दंतुरित मुस्कान कवि के लिए मृतक में भी जान डाल देने वाली है कवि के मन पर शिशु की मुस्कान का यह प्रभाव पड़ता है कि उसे लगता है कि कमल का फूल तालाब को छोड़कर स्वयं उसकी झोपड़ी में आकर खिल गया है। उसके मन में तरह-तरह की कल्पनाएँ आती है। कवि अत्यंत प्रफुल्लित और आश्चर्यचकित है। उसका वात्सल्य जाग उठता है।

For the complete set of previous year questions of Yah Danturit Muskan Aur Fasal, Click Here

Yah Danturit Muskan Aur Fasal Summary, Word meanings, Click Here

Yah Danturit Muskan Aur Fasal Important Questions, Click Here

Kshitij Bhag 2 Book Word meanings of all lessons, Click Here

Kshitij Bhag 2 Book Character Sketches, Click Here

SuccessCDs